P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-4*(Part-2) December- 2018
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

# ग्रामीण विकास में स्वच्छता की भूमिका

**इन्दिरा श्रीवास्तव**
एसोसिएट प्रोफेसर,
समाजशास्त्र विभाग,
ईश्वर शरण डिग्री कालेज,
प्रयागराज, उ.प्र., भारत

**सारांश**

स्वच्छता का अर्थ होता है हमारे शरीर, मन और हमारे चारों तरफ की चीजों को साफ करना। स्वच्छता मानव समुदाय का एक आवश्यक गुण होता है। यह जीवन की आधारशिला होती है। इसमें मानव की गरिमा, शालीनता और आस्तिकता के दर्शन होते हैं। एक बार महात्मा गांधी ने कहा था कि, ''भगवान के बाद में स्वच्छता को ही महत्व दिया जाता है।''

**मुख्य शब्द :** स्वच्छता, शौचालय, रूढ़िवाद, स्वास्थ्य, अपशिष्ट

**प्रस्तावना**

समकालीन विश्व में स्वच्छता सर्वाधिक महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों में से एक है। किसी भी देश में गम्भीर स्वास्थ्य चुनौतियाँ, लैंगिक अन्तर, समावेशी विकास का विफल होना, उचित स्वच्छता सुविधाओं में कमी होने से उसके गम्भीर नतीजे हो सकते हैं। इन विषयों की महत्ता को देखते हुए इसे संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों में प्रत्यक्ष रूप से ''लक्ष्य–6–स्वच्छ जल एवं स्वच्छता'' तथा अप्रत्यक्ष रूप से ''लक्ष्य–1–शून्य गरीबी'', ''लक्ष्य–2–शून्य भुखमरी'', ''लक्ष्य–3–उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली'', ''लक्ष्य–4–जलीय जीवों की सुरक्षा'', ''लक्ष्य–15–थलीय जीवों की सुरक्षा'' में शामिल किया गया है।

विश्व बैंक ने अनुमान लगाया है कि भारत के लगभग 50 प्रतिशत बच्चे शारीरिक और संज्ञानात्मक रूप से स्टंटेड अथवा अविकसित हैं और इसका मुख्य कारण है अस्वच्छता जो अक्सर दस्त जैसे घातक रोगों के फैलने के लिए जिम्मेदार होती है। स्वच्छता के आर्थिक प्रभाव पर यूनिसेफ के एक हालिया अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि खुले में शौचमुक्त गांव में प्रत्येक परिवार प्रतिवर्ष 50,000 रूपये बचाता है। यह बचत स्वच्छता के कारण चिकित्सा पर खर्चे में कमी आने, समय की बचत होने व जीवन की रक्षा हो जाने से होती है। फिर महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा का मुद्दा है, अक्सर खुले में शौच के कारण महिलाओं के साथ वारदातें होती हैं।

चूँकि भारत ग्रामीण क्षेत्रों में बसता है, अतः हमारी मुख्य चेष्टा है कि ग्रामीण विकास में स्वच्छता को परिभाषित करने के लिए स्पष्ट मापक दिए जाये, जिसमें इसके साथ अन्य पहलुओं स्वास्थ्य, शिक्षा, आर्थिक स्थिति, महिलाओं का आत्मसम्मान आदि को भी शामिल किया जा सके।

**स्वच्छता का अर्थ**

स्वच्छता का अर्थ होता है हमारे शरीर, मन और हमारे चारों तरफ की चीजों को साफ करना। स्वच्छता मानव समुदाय का एक आवश्यक गुण होता है। यह जीवन की आधारशिला होती है। इसमें मानव की गरिमा, शालीनता और आस्तिकता के दर्शन होते हैं। एक बार महात्मा गांधी ने कहा था कि, ''भगवान के बाद में स्वच्छता को ही महत्व दिया जाता है।''

**स्वच्छता : एक जीवन शैली**

स्वच्छता मानव की एक आदर्श जीवन–शैली है, इस विचार और धारणा को भारत में अभी दृढ़ता के साथ स्थापित करने की आवश्यकता है। अभी तक हम सभी की मानसिकता यह रही है कि 'गन्दगी फैलाने वाला बड़ा और गन्दगी साफ करने वाला छोटा है।' गाँधीजी अपने हाथों से कच्चा शौचालय स्वयं साफ करते थे क्योंकि वे मानते थे कि मानव, मानव का मल उठाए यह अमानवीयता है। अपनी गंदगी दूसरों से साफ करवाना और साफ करने वाले को अछूत मानना स्वच्छता के प्रति हमारी विषैली मानसिकता नहीं तो क्या है? यह मानवता के प्रति भी एक बड़ा अक्षम्य अपराध है। यह ऐसी सामाजिक समस्या है जिसे गहराई से समझने की आवश्यकता है।

**स्वच्छता का महत्व**

1. मानसिक, शारीरिक, बौद्धिक और सामाजिक हर तरीके से स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छता बहुत जरूरी होती है।

2. हमारी भारतीय संस्कृति में भी वर्षों से यह मान्यता है कि जहाँ पर सफाई होती है वहाँ पर लक्ष्मी का वास होता है।
3. आचरण की शुद्धता में स्वच्छता बहुत जरूरी होती है। शुद्ध आचरण से मनुष्य का चेहरा तेजोमय रहता है।
4. स्वास्थ्य रक्षा के लिए स्वच्छ बहुत अनिवार्य होती है। जब मनुष्य स्वच्छता रहता है तो उसमें एक तरह की स्फूर्ति और प्रसन्नता का संचरण होता है।
5. गंदे परिवेश में मक्खी, मच्छर, कॉकरोच, चूहे, सांप, बिच्छू समेत तमाम तरह के कीड़े–मकौड़े और जीवाणु पनपते हैं, जिससे तमाम तरह की बीमारियां जन्म लेती हैं। इसलिए साफ–सफाई रखना बेहद जरूरी है, ताकि बीमारियों से दूर रह सकें और स्वस्थ जीवन जी सकें।

**अध्ययन का उद्देश्य**

1. ग्रामीणों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता का अध्ययन।
2. ग्रामीणों में स्वच्छता कार्यक्रमों के विषय में जागरूकता का अध्ययन।

**स्वच्छता का प्रभाव**

**स्वास्थ्य पर प्रभाव**

स्वच्छता से आस–पास का वातावरण स्वच्छ रहता है जिससे गम्भीर बीमारियाँ नहीं पनप पाती है और रोगमुक्त शरीर रहता है।

**सामाजिक प्रभाव**

समाज में स्वच्छता से रहने पर सम्मान मिलता है तथा लोग ऐसे लोगों से जुड़कर सामाजिक स्वच्छता में भागीदार बनते हैं। साथ ही महिलाओं को शौच के लिए बाहर नहीं जाना पड़ता है जिससे उनके आत्मसम्मान में वृद्धि होती है।

**आर्थिक प्रभाव**

स्वच्छता रखने से व्यक्ति बीमार नहीं होता है और जिससे अस्पताल का खर्चा बचता है जिसका उपयोग वह पोषण व शिक्षा में करता है तथा गरीबी के जंजाल से बाहर रहताहै।

**पर्यावरण प्रभाव**

कचरे के उचित निपटारे से प्रदूषण में कमी आती है तथा जल, वायु, मृदा प्रदूषण रहित रहते हैं।

**लैंगिक प्रभाव**

ऐसा देखा जाता है जहाँ विद्यालयों में छात्र एवं छात्राओं का पृथक शौचालय होता है, छात्राएं विद्यालयों में अपेक्षाकृत अधिक पढ़ने जाती है जिससे वे शैक्षणिक स्तर पर पुरूषों के समान आने का प्रयास करती है।

**साहित्य का पुनरावलोकन**

विश्व बैंक समर्थित स्वच्छ भारत मिशन परियोजना के अंतर्गत एक स्वतंत्र सर्वेक्षण एजेंसी द्वारा किये गए राष्ट्रीय वार्षिक ग्रामीण स्वच्छता सर्वेक्षण (National Annual Rural Sanitation Survey-NARSS) 2017–18 में ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालय का उपयोग 93.4: होने की पृष्टि हुई है। इसका मतलब है कि जिन घरों में शौचालय उपलब्ध हैं, उनमें से 93.4: घरों में इसका उपयोग भी किया जाता है।

**प्रमुख बिन्दु**

1. यह सर्वेक्षण मध्य–नवम्बर 2017 और मध्य–मार्च 2018 के बीच किया गया और इसके अंतर्गत 6136 गाँवों के 92,040 घरों का स्वच्छता सम्बन्धी विषयों पर सर्वेक्षण किया गया। सर्वेक्षण के अंतर्गत गाँवों के स्कूल, आंगनवाड़ी एवं सामुदायिक शौचालयों का भी सर्वेक्षण किया गया।

**राष्ट्रीय वार्षिक ग्रामीण स्वच्छता सर्वेक्षण के मुख्य परिणाम**

2. सर्वेक्षण किये गए 77: घरों में शौचालय की सुविधा पाई गई।
3. शौचालय की सुविधा वाले घरों में से 93.4: में शौचालय का उपयोग किया जाता है।
4. सर्वेक्षण किये गये खुले में शौच से मुक्त घोषित एवं सत्यापित गाँवों में से 95.6: के खुले में शौच से मुक्त होने की पुष्टि हुई है।
5. सर्वेक्षण किये गये गाँवों में से 70: में ठोस तथा तरल अपशिष्ट की न्यूनतम मात्रा पाई गई।

**कार्यक्रम का क्षेत्र**

यह अध्ययन उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद जनपद के ग्राम जलालपुर घोसी में संचालित किया गया है। यहाँ की जनसंख्या 1,728 है जिसमें पुरुषों की संख्या 944 तथा महिलाओं की संख्या 784 है। इसके अन्तर्गत ग्रामीण इलाके में स्वच्छता सम्बन्धी गतिविधियों व ग्रामीण समाज में उनके प्रति जागरूकता के स्तर का अध्ययन किया गया है।

इस परियोजना में कुछ महत्वपूर्ण विशेषताओं का ध्यान रखा गया है जैसे–ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता सम्बन्धी परियोजनाओं का संचालन पिछले दो वर्षों से किया जा रहा हो, कुछ लोगों तक इनका लाभ सुनिश्चित किया गया हो तथा इस क्षेत्र में आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो।

**अनुसन्धान क्रियाविधि**

अध्ययन के लिए प्रश्नावली तैयार किया गया जिसके माध्यम से गांव के 25 परिवारों से साक्षात्कार लिया गया व अवलोकन के आधार पर नमूने एकत्रित किया गया।

साक्षात्कार के लिए 15 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को चुना गया जिसमें विभिन्न जाति, धर्म, शैक्षणिक स्तर, वैवाहिक स्तर, पेशा को शामिल किया गया।

**सर्वेक्षण में जुटाए गए आंकड़ों के आधार पर तालिका (नमूना)**

**उम्र के आधार पर**

| उम्र | आवृत्ति |
|---|---|
| 15 – 25 | 07 |
| 25 – 35 | 05 |
| 35 – 45 | 06 |
| 45 – 55 | 03 |
| 55 – 65 | 04 |
| **योग** | **25** |

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-4*(Part-2) December- 2018
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

**लिंग व वैवाहिक स्थिति के आधार पर**

| लिंग / वैवाहिक स्थिति | पुरुष | महिला | योग |
|---|---|---|---|
| विवाहित | 18 | 04 | 22 |
| अविवाहित | 01 | 02 | 03 |
| **योग** | **19** | **06** | **25** |

**जाति के आधार पर**

| जाति | आवृत्ति |
|---|---|
| सामान्य | 04 |
| अन्य पिछड़ा वर्ग | 03 |
| अनुसूचित जाति | 18 |
| **योग** | **25** |

**परिवार के प्रकार के आधार पर**

| परिवार का प्रकार | आवृत्ति |
|---|---|
| संयुक्त (6 से अधिक सदस्य) | 15 |
| एकल (6 से कम सदस्य) | 10 |
| **योग** | **25** |

**शिक्षा के स्तर के आधार पर**

| शिक्षा का स्तर | आवृत्ति |
|---|---|
| अशिक्षित | 09 |
| प्राथमिक शिक्षा | 03 |
| माध्यमिक शिक्षा | 08 |
| उच्च शिक्षा | 05 |
| **योग** | **25** |

**पेशा के आधार पर**

| पेशा | आवृत्ति |
|---|---|
| कृषि/पशुपालन | 08 |
| मजदूरी | 12 |
| छात्र/छात्रा | 02 |
| घरेलू महिला | 03 |
| **योग** | **25** |

**गाँव के पिछले दो वर्षों में स्वच्छता सम्बन्धी संचालित गतिविधियाँ**

| क्र0सं0 | स्वच्छता सम्बन्धी गतिविधियाँ | हाँ/नहीं |
|---|---|---|
| 1. | स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) | हाँ |
| 2. | दरवाजा बंद अभियान | हाँ |
| 3. | उज्ज्वला योजना | हाँ |
| 4. | स्वच्छता रथ | नहीं |
| 5. | मॉडल गंगा गाँव | नहीं |

**घर में शौचालय की उपलब्धता**

| उपलब्ध | अनुपलब्ध | योग |
|---|---|---|
| 20 | 05 | **25** |

**शौचालय का प्रकार**

| प्रकार | आवृत्ति |
|---|---|
| सेप्टिक टैंक | 05 |
| दो गड्ढों वाला | 15 |
| बायो टॉयलेट | 00 |
| **योग** | **20** |

**शौचालय के अपशिष्ट का निष्कासन**

| निष्कासन | आवृत्ति |
|---|---|
| सीवर से जुड़ा हुआ | 00 |
| खुले नाली में | 02 |
| भरने पर सफाई | 18 |
| **योग** | **20** |

**शौचालय का निर्माण**

| सहायता | आवृत्ति |
|---|---|
| स्वयं | 05 |
| सरकारी सहायता | 15 |
| **योग** | **20** |

**रूढ़िवादी परम्पराओं के कारण शौचालय बनाने के विरोधी**

| हाँ | नहीं | योग |
|---|---|---|
| 02 | 23 | **25** |

**स्वच्छ भारत मिशन के बारे में जागरुकता**

| हाँ | नहीं | योग |
|---|---|---|
| 18 | 07 | **25** |

**स्वच्छता को बनाये रखने में किसकी ज़िम्मेदारी को माना जाना चाहिए**

| सहायता | आवृत्ति |
|---|---|
| स्वयं | 18 |
| समुदाय | 05 |
| सरकार | 02 |
| **योग** | **25** |

**जहाँ आर्थिक लाभ की संभावना दिखती है, लोग अधिक रूप से जुड़ते हैं, यदि सरकार द्वारा आर्थिक मदद नहीं दी जाती तो इतने शौचालय नहीं बन पाते**

| सही | गलत | योग |
|---|---|---|
| 25 | 00 | **25** |

**घरों में कूड़ेदान की संख्या**

| | |
|---|---|
| शून्य | 06 |
| एक | 19 |
| दो | 00 |
| **योग** | **25** |

**कूड़े का निपटारा**

| | |
|---|---|
| कूड़ा उठाने वाली गाड़ी द्वारा | 00 |
| खुले | 25 |
| **योग** | **25** |

**गाँव में ठोस अपशिष्ट का निपटारा**

| | |
|---|---|
| जला कर | 15 |
| बायो गैस में परिवर्तित कर | 00 |
| डंपिंग कर | 10 |
| **योग** | **25** |

**घरों में स्वच्छ ईंधन का उपयोग**

| हाँ | नहीं | योग |
|---|---|---|
| 15 | 10 | **25** |

**परिवार में कोई गम्भीर बीमारी से ग्रसित**

| हाँ | नहीं | योग |
|---|---|---|
| 04 | 21 | **25** |

**बीमारी के कारण आर्थिक प्रभाव**

| हाँ | नहीं | योग |
|---|---|---|
| 04 | 21 | **25** |

**गाँव के विद्यालय में कन्याओं के पृथक शौचालय से उनके प्रवेश में वृद्धि**

| हाँ | नहीं | योग |
|---|---|---|
| 23 | 02 | **25** |

**आंकड़ों का विश्लेषण**

इस अध्ययन में यह पाया गया कि गांव में पिछले दो वर्षों से मुख्यतः तीन परियोजनाओं को संचालित किया जा रहा है जिसमें स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), दरवाजा बंद अभियान, उज्ज्वला योजना शामिल है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत अधिकांशतः घरों में शौचालय का निर्माण कराया गया है कि जबकि कुछ ही परिवार ऐसे थे जिन्होंने स्वयं शौचालय का निर्माण करा रखा था। इन शौचालयों को बनवाने में गांव की अनुसूचित जाति के लोग ज्यादा तत्पर दिखाई दिए खासकर वे लोग जिनके परिवार में सदस्य संख्या कम थी। जो यह सिद्ध करता है कि छोटा और समरस समूह स्वच्छता के प्रति अधिक जागरुक होता है।

इसके अतिरिक्त यह देखा गया कि सरकार द्वारा आर्थिक लाभ अधिकांशतः गाँव की अनुसूचित जाति के लोगों को मिला है जिनका यह मानना है कि यदि उन्हें सरकार द्वारा आर्थिक सहायता नहीं दी जाती तो वे शौचालय का निर्माण नहीं करा पाते क्योंकि अधिकांशतः मजदूर हैं जो दिहाड़ी पर काम करते हैं व अन्य कृषक हैं जिसमें अधिक लाभ नहीं होता है। इसी से उनका गुज़ारा होता है और अतिरिक्त धन जमा के रूप में नहीं बच पाते हैं। इस कारण से उन लोगों ने बढ़–चढ़कर इस योजना में भाग लिया।

गाँव के अधिकांश परिवार के किसी न किसी सदस्य ने प्राथमिक स्तर तक की शिक्षा प्राप्त की है जिससे उन्हें स्वच्छता के महत्व के बारे में जानकारी है तथा वे इसे आवश्यक समझते हैं। इन लोगों का मानना है कि स्वच्छता न केवल सरकार की जिम्मेदारी है बल्कि यह समुदाय, उससे भी बढ़कर प्रत्येक नागरिक की ज़िम्मेछारी है। ऐसे परिवारों में कूड़ेदान पाए गए हैं तथा स्वच्छ ईंधन का लाभ उज्ज्वला योजना के तहत उठा रहे हैं। साथ ही इन परिवारों में कोई गम्भीर रूप से किसी बीमारी से ग्रसित भी नहीं है। यह शिक्षित वर्ग की जागरुकता एवं स्वच्छता व बीमारी के मध्य व्युत्क्रमानुपाी सम्बन्ध को प्रदर्शित करती है।

**निष्कर्ष**

इसके साथ ही साथ गांव में जब स्वच्छता के बारे में जागरुकता बढ़ी तो अशिक्षित वर्गों ने योजनाओं के क्रियान्वयन में भागीदारी बढ़ाई तथा उन रूढ़िवादी परम्पराओं को दरकिनार किया जिसके अनुसार घर में शौचालय बनवाना अपवित्र माना जाता था।

**नोट**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | S.B.M. (G) | (Swachcha Bharat Mission-Grameen) |
| 2. | B.C.C. | (Behavioural Change Communication) |
| 3. | O.D.F. | (Open Defecation Free) |
| 4. | M.D.W.S. | (Ministry of Drinking Water and Sanitation) |
| 5. | E.W.G. | (Expert Working Group) |
| 6. | C.A.P.I. | (Computer Assisted Personal Interviewing) |
| 7. | I.H.H.L. | (Individual Household Latrine) |

**सन्दर्भ ग्रथ सूची**

*Basu, Salil, (1994), The State of the Art - Tribal Health in India, Manak Publications Pvt. Ltd., Delhi.*

*Franceys, R, Pickford J. and Reed 1992 'A Guide to the Development of on Side Sanitation, World Health Organization, Geneva.*

*Ghosh, B.N. 1959, A Treatise on Hygiene and Public Health 14th Ed. in Scientific publishing Co., Calcutta.*

*Kawata, K. 1963, Environmental Sanitation in India, Lucknow Publishing House Lucknow.*

*Park, J.E. and K. Park, 1991, Parks Text Book of Preventive and Social Medicine, 13th ed., M/s Banarasi Das Bhanot, Jabalpur.*